

हरियाणा का वाटर एटलस तैयार

चर्चा में क्यों?

11 दिसंबर, 2022 को मीडिया से मली जानकारी के अनुसार हरियाणा जल संसाधन प्राधिकरण (HWRA) द्वारा दशकों तक काम करने के बाद अब हरियाणा का वाटर एटलस तैयार कर लिया गया है। इसे इसी महीने के अंत में लॉन्च किया जाएगा।

प्रमुख बंदि

- एटलस के ज़रयि अब हर साल राज्य के गरिते भू जल स्तर की जानकारी मलि सकेगी। इसके साथ ही पाँच सालों में वाटर डमिंड-सप्लाई का डाटा भी तैयार हो सकेगा। एटलस के ज़रयि होने वाले मडिटी के कटाव और बारशि के पैटर्न को भी बताया जाएगा। एटलस के ज़रयि राज्य के कसिानों को उनके क्षेत्र में जल स्तर को समझने में काफी मदद मलिंगी।
- एटलस बनाने पर काम कर रहे हरियाणा जल संसाधन प्राधिकरण (HWRA) के अनुसार प्राधिकरण एकवफिर (जल धारण करने वाली चट्टान की भूमगित परत) का मैप बना रहा है। इस कार्य में हरियाणा अंतरक़िष उपयोग केंद्र (HARSAC) भी सहयोग कर रहा है।
- राज्य के वाटर एटलस में पानी की डमिंड और सप्लाई का आने वाले 5 सालों का डाटा होगा। इसमें हर गाँव के परिवार को पानी की ज़रूरत के साथ ही गाँवों के पानी के स्रोतों को भी उल्लेख होगा। यह डाटा पानी के अंतर को मैप करने और अपशषिट जल का दोबारा उपयोग करने के तरीकों पर रणनीति बनाने में मदद करेगा।
- वदिति है कि हरियाणा राज्य के गठन के समय से ही राज्य में भू-जल स्तर गरिता जा रहा है। हर साल भूजल में एक मीटर की गरिवट आ रही है। राज्य में औसतन भू-जल स्तर 65 मीटर है। कुरुक्षेत्र में यह 42.4 मीटर, करनाल में 22.2 मीटर, कैथल में 32.95 मीटर तक नीचे जा चुका है, जबकि महेंद्रगढ़ में भू-जल स्तर सबसे अधकि नीचे है जो 48.36 मीटर तक जा चुका है।